स्नातकोत्तर हिंदी (M.A. Hindi) पाठ्यक्रम में हिन्दी का शिक्षण / अधिगम का प्रतिफल/उद्देश्य (learning outcome) निम्न प्रकार से है -

1 भाषा ज्ञान : विद्यार्थियों में हिंदी भाषा का ज्ञान, हिंदी भाषा के प्रति रूचि और हिन्दी भाषा की उपयोगिता को विकसित करना और भारतवर्ष में राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचार- प्रसार के माध्यम से भारतवर्ष की सभ्यता-संस्कृति को समृद्ध करना तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रबल बनाना ।

2. सामाजिक समस्याओं का ज्ञान : साहित्य का शिक्षण करवाने से विद्यार्थियों में सामाजिक समस्याओं का ज्ञान होगा।

3. समस्याओं का समाधान एवं विश्लेषण : समस्याओं का समाधान एवं विश्लेषण करने का बोध विकसित होगा।

4. रचनात्मक कौशल का विकास : हिंदी साहित्य में साहित्यकारों के जीवन का शिक्षण करवाने से विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी और विद्यार्थी में संवेदनशीलता, रचनात्मकता एवं सौन्दर्यात्मकता को विकसित होगी ।

5. साहित्य इतिहास का बोध : विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य का इतिहास का अधिगम करवाने से उनमें हिंदी साहित्य के कालक्रमिक विकास, सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों का विवेचन-विश्लेषण करने का बोध होगा ।

6. गद्य साहित्य का ज्ञान : स्नातकोत्तर हिन्दी के पाठ्यक्रम में गद्य साहित्य का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में आधुनिक हिंदी गद्य की अवधारणाओं एवं प्रवृत्तियों का विश्लेषण तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना।

7 साहित्यिक मूल्यों का संवर्धन : विद्यार्थियों में गद्य साहित्य के माध्यम से राष्ट्रीय, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मूल्यों के संवर्धन की दृष्टि को विकसित करना।

8. मानव जीवन मूल्यों का विकास : हिंदी साहित्य में गद्य-साहित्य का अध्ययन से विद्यार्थियों में मानवीय जीवन में घटित विभिन्न घटनाओं का अवलोकन तथा सामाजिक उत्थान के प्रति मानवता के प्रति जागरुक करना तथा मानव जीवन मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना ।

9. अंतरानुशासनात्मक शोध का विकास : स्नातकोत्तर हिंदी के पाठ्यक्रम में शोध के विषय का शिक्षण करवाने से विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य और अन्य विषय के साथ अंतरानुशासनात्मक शोध दृष्टि को विकसित करना ।

10. रचनात्मक शोध का विकास : शोध विषय में गुणात्मक एवं मात्रात्मक तथ्यों का विश्लेषण, प्रस्तुतिकरण एवं कौशल विकास को विकसित करना।

11. व्यावसायाभिमुख कौशल का विकास : स्नातकोत्तर हिंदी के पाठ्यक्रम में सिनेमा और साहित्य के विषय का शिक्षण करवाने से विद्यार्थियों में आधुनिक सिनेमा के माध्यम से हिंदी भाषा एवं साहित्य का प्रचार-प्रसार, वसायाभिमुख कौशल को विकसित करना, भारतीय सभ्यता और संस्कृति की पुनर्स्थापना होगी ।